ਸ਼नभिज्ञ (KARM. ex ਸ਼न et ਸ਼ਮਿज्ञ guarus, a r. ज्ञा s. म्र) ignarus, inscius.

म्रनर्च्य (ex म्रन् priv. et म्रस्य a r. मर्च occidere s. य) non occidendus, v. sq.

म्रनद्यत्व n. (a praec. s. त्व) Abstractum praecedentis, Untödibarkeit. Hit. 1.8.

म्रनार्थ m. (ex मन् priv. et मर्थ q. v.) res adversa, infortunium. HIT. 2.11. 42.18.

म्रनर्थक (a praec. s. क vel म्रक) infelix. Br. 1.15.

म्रनह (клан. ex म्रन et म्रह्) indignus. Br. 2.16.

म्रनल m. (ut videtur, a r. म्रन् s. म्रल) ignis, Deus ignis.

ਸ਼ਨਕਮ (капт. ex ਸ਼ਨ੍ਰ priv. et ਸ਼ਕਮ vilis, abjectus) non vilis. Dr. 5. 11.

সনবধার (BAH. ex সনবধা non humilis, non vilis - ex সন্ধ্রস্থা - et সূত্র) pulchris membris, pulchro corpore fraeditus. N. 1.12.

স্নান্ত (клам. ex স্নানু priv. et স্নান্ত a r. स्था praef. স্নান্ত s. ন) inconstans, mobilis, levis. Ur. 27.4. infr.

म्राजिस्थिति ((KARM. ex मृत् priv. et मृत्रियति a r. स्था praef. मृत्र s. ति) inconstantia, mobilitas, levitas.

म्रनस् n. (r. म्रन् s. म्रस्) currus. Am.

अनस्य (влн. e. अन् et अस्या f. exsecratio, vel клим. ex अन् et अस्य exsecrans) exsecrationis expers, non exsecrans. Вн. 18.71. Sa. 2.19.

म्रनसूयक (e म्रन् neg. et म्रसूयक exsecrans) i.q. praec. N.12.46.

সন্ধু (KAM. ex সন্ et সম্যু exsecrans, q. v.) non exsecrans. Bn. 9. 1.

म्रोत्रकृत (KARM. ex मृत् et म्रहङ्कृत ex मृह्म् ego et कृत facus) non sui studiosus. In. 4.12.

সন্তান (১৫ এন. ex সূন্ et স্ন্তান্ n.) liber a peccatis, offensionibs, vitiis. Br. 2.14.

সনানেন (দেশ ex সূন্ et সানেন্) animam aut semet ipsum nm habens, animae aut suimet ipsius non compos; secondum schol. qui animam aut semet ipsum no vicit: «স্নানেনা গ্রানানেনা:». Bh. 6.6.

স্নান্দেলন (капт. ex স্নন্ et স্নান্দলন ab স্নান্দন m.) sui, aut animae non compos. N. 20.31. Sa. 5.22.

সনাথ (BAH. ex স্ক priv. et নাম dominus) domino orbatus. Br. 2.10.15. 3.2.

म्रनादर m. (канм. ex म्रन् priv. et म्रादर observantia) contemtio. Hit. 70.4.

처시평제품 (BAH. ex 처시평제 non lautus, et 됐돌 n.) non lautum corpus, non lauta membra habens. IN. 2.5.

規制用程 (BAH. ex 共和 priv. et 共和日 m. morbus) 1) Adj. sanus, salvus, valens. Dr. 4.10. 2) Subst. n. sanitas, salus, valetudo. Br. 1.19. N. 2.15.

সনাযুত্য (KARM. ex স্নন্ priv. et স্নাযুত্য senectutem afferens, admittens, ab স্নাযুন্ m. s. য) non senectutem ferens, perniciosus, funestus. Dr. 7.4.

স্নার্নি Adj. (KARM. ex স্ন্ priv. et স্থার্নি q.v.) anni tempori non consentaneus, germ. unjahrszeitlich. H. 1.18.

म्रनावृत (клим. ex म्रन् et म्रावृत a r. वृत् s. त) non electus. In. 5. 42.

স্থানি (BAH. ex স্থানি non positus, a r. আ, et স্থানি m. ignis) non positum ignem sacrum habens, non deditus igni. In. 2.4.

স্নিন্দির (KARM. ex म्र priv. et নিন্দির ar. নিন্দু s. त) non spretus. In. 5.45. N. 22.2. 26.15.

規制的 (KARM. ex 現 priv. et 同用句 nictans, a r. 用句 s. 現) Adj. non nictans, non connivens. In. 5.28. Su. 1. 10. Subst. m. 1) deus. 2) piscis. Am.

म्रनिल m. (r. म्रन् spirare s. इला) ventus. Dr. 6.6.

म्रतिशम् (△४४. ex म्र priv. et निशा f. nox) aeterne, semper.

म्रनीक m.n. exercitus. HIT. 95.19.

अनीकविदारण (qui exercitum rumpit, влн. ex praec. et विदारण laceratio) n. pr. Dr. 2.13.

সনু Praep. praef. et separ. (ut mihi videtur, a stirpe pronom. সুন, mutato সু in হু, cf. interrogativi stirpes কা, কি, কু) post, secundum. c. acc. SAK. 6.11: সুনু মালিনীনামু secundum Maliniae ripam.